महाराणा प्रताप महाविद्यालय
24-425
ग्रन्थालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

SAN 102F

B.A. (II[nd] SEMESTER) EXAMINATION, 2024-25

संस्कृत

(संस्कृत व्याकरण–I)

AFFIX PRESCRIBED RUBBER STAMP

Date (तिथि) : _____

Paper ID
(To be filled in the OMR Sheet)

5728

अनुक्रमांक (अंकों में) :
Roll No. (In Figures) :

अनुक्रमांक (शब्दों में) : _____

Roll No. (In Words) : _____

Time : 1:30 Hrs.
समय : 1:30 घण्टे

Max. Marks : 75
अधिकतम अंक : 75

नोट : पुस्तिका में 50 प्रश्न दिये गये हैं, सभी प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 1.5 अंक का होगा।

Important Instructions :

1. The candidate will write his/her Roll Number only at the places provided for, i.e. on the cover page and on the OMR answer sheet at the end and nowhere else.
2. Immediately on receipt of the question booklet, the candidate should check up the booklet and ensure that it contains all the pages and that no question is missing. If the candidate finds any discrepancy in the question booklet, he/she should report the invigilator within 10 minutes of the issue of this booklet and a fresh question booklet without any discrepancy be obtained.

महत्वपूर्ण निर्देश :

1. अभ्यर्थी अपने अनुक्रमांक केवल उन्हीं स्थानों पर लिखेंगे जो इसके लिए दिये गये हैं, अर्थात् प्रश्न पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ तथा साथ दिये गये ओ०एम०आर० उत्तर पत्र पर, तथा अन्यत्र कहीं नहीं लिखेंगे।
2. प्रश्न पुस्तिका मिलते ही अभ्यर्थी को जाँच करके सुनिश्चित कर लेना चाहिए कि इस पुस्तिका में पूरे पृष्ठ हैं और कोई प्रश्न छूटा तो नहीं है। यदि कोई विसंगति है तो प्रश्न पुस्तिका मिलने के 10 मिनट के भीतर ही कक्ष परिप्रेक्षक को सूचित करना चाहिए और बिना त्रुटि की दूसरी प्रश्न पुस्तिका प्राप्त कर लेना चाहिए।

1. मुनित्रय में सम्मिलित नहीं हैं –

(A) पाणिनि

(B) कात्यायन

(C) यास्क

(D) पतञ्जलि

2. अष्टाध्यायी के रचनाकार हैं –

(A) कात्यायन

(B) पाणिनि

(C) पतञ्जलि

(D) गार्ग्य

3. सिद्धान्त कौमुदी के रचनाकार हैं –

(A) भट्टोजि दीक्षित

(B) वरदराजाचार्य

(C) पाणिनि

(D) वररूचि

4. लघु सिद्धान्त कौमुदी रचित है –

(A) यास्क द्वारा

(B) भट्टोजि दीक्षित द्वारा

(C) पाणिनि द्वारा

(D) वरदराजाचार्य द्वारा

5. 'खर् प्रत्याहार में वर्ण आयेंगे –

(A) 12

(B) 13

(C) 14

(D) 15

6. माहेश्वर सूत्रों की संख्या है –

(A) 12

(B) 14

(C) 16

(D) 18

7. 'यण्' प्रत्याहार है –

(A) ह, य, र, ल

(B) श, ष, स, ल

(C) य, व, र, ल

(D) अ, इ, उ, ऋ

8. 'जश्' का तात्पर्य है –

(A) ग, ज, द, य, प

(B) ज, ग, ड, द, फ

(C) ज, ब, ग, ड, द

(D) ज, ग, ड, द, न

9. किसी स्वर के अधिकतम भेद हो सकते हैं –

(A) 12

(B) 14

(C) 16

(D) 18

10. अष्टाध्यायी में अध्यायों की संख्या है–

(A) 10

(B) 12

(C) 08

(D) 06

11. 'इ' के भेद हैं –

(A) 18

(B) 16

(C) 14

(D) 12

12. 'ऌ' स्वर का भेद नहीं होता –

(A) ह्रस्व

(B) दीर्घ

(C) प्लुत

(D) दीर्घ तथा प्लुत

13. उदात्त तथा अनुदात्त दोनों के ही गुण वाला होता है –

(A) उदात्त

(B) अनुदात्त

(C) स्वरित

(D) उदात्त तथा स्वरित

14. सवर्ण संज्ञा में देखा जाता है –

(A) उच्चारण स्थान

(B) आभ्यन्तर प्रयत्न

(C) उच्चारण स्थान तथा वाह्य प्रयत्न

(D) उच्चारण स्थान तथा आभ्यन्तर यत्न

15. अधोलिखित में सवर्ण हैं –

(A) ऋ, ऌ

(B) ऋ, क

(C) क, प

(D) ग, ज

16. आभ्यन्तर प्रयत्न हैं –

(A) 04

(B) 05

(C) 06

(D) 11

17. उच्चारण में 'अ' का आभ्यन्तर प्रयत्न है –

(A) विवृत

(B) संवृत

(C) स्पृष्ट

(D) ईषत् स्पृष्ट

18. बाह्य प्रयत्न हैं –

(A) 05

(B) 11

(C) 15

(D) 18

19. 'ट' वर्ण का उच्चारण स्थान है –

(A) कण्ठ

(B) तालु

(C) मूर्धा

(D) दन्त्य

20. स्पर्श वर्ण हैं –

(A) च् से ञ् पर्यन्त

(B) प् से म् पर्यन्त

(C) च् से ण् पर्यन्त

(D) क् से म् पर्यन्त

21. अन्तस्थ वर्ण हैं –

(A) य, व, र, ल

(B) श, ष, स, ह

(C) क, ख, ग, घ

(D) च, छ, ज, झ

22. ऊष्म वर्णों की संख्या है –

(A) 03

(B) 05

(C) 04

(D) 08

23. सन्धि में 'अ' का आभ्यन्तर प्रयत्न होगा –

(A) विवृत

(B) संवृत

(C) स्पृष्ट

(D) ईषत् विवृत

24. 'ऋ' स्वर के भेद हैं –

(A) 12

(B) 16

(C) 20

(D) 30

25. स्वरों का आभ्यन्तर प्रयत्न है –

(A) स्पृष्ट

(B) ईषत्स्पृष्ट

(C) विवृत

(D) ईषत्विवृत

26. ए तथा ऐ का भेद नहीं होता –

(A) ह्रस्व

(B) दीर्घ

(C) प्लुत

(D) दीर्घ तथा प्लुत

27. 'पद' संज्ञा होती है –

(A) सुबन्त की

(B) तिङन्त की

(C) सुबन्त तथा तिङन्त दोनों की

(D) व्यञ्जनों की

28. परः सन्निकर्षः –

(A) संयोगः

(B) संहिता

(C) पदम्

(D) सवर्णम्

29. 'सन्धि' वक्ता की इच्छा पर निर्भर है –

(A) एक ही पद में

(B) धातु और उपसर्ग में

(C) समास के पदों में

(D) वाक्य के शब्दों में

30. गुण संज्ञा होती है –

(A) अ, इ, ओ की

(B) अ, ए, ओ की

(C) आ, ऐ, औ की

(D) अ, उ, औ की

31. गुण सन्धि विधायक सूत्र है –

(A) अदेङ् गुणः

(B) आद् गुणः

(C) उरण् रपरः

(D) पूर्वत्रासिद्धम्

32. वृद्धि संज्ञा होगी –

(A) आ, ऐ, औ की

(B) अ, ए, ओ की

(C) आ, ए, ओ की

(D) ऋ, ॡ की

33. इचुयशानां _____.

(A) कण्ठः

(B) तालु

(C) दन्ताः

(D) मूर्धा

34. दीर्घ संधि का उदाहरण है –

(A) नास्ति

(B) चैव

(C) पावकः

(D) रमेशः

35. 'लृ' का उच्चारण स्थान है –

(A) दन्त्य

(B) मूर्धा

(C) नासिका

(D) कण्ठ

36. ईदूदेद्द्विवचनं _____.

(A) प्लुतः

(B) प्रकृति भावः

(C) प्रगृह्यम्

(D) बहुलम्

37. लोप संज्ञा विधायक सूत्र है –

(A) तस्य लोपः

(B) आदिरन्त्येन सहेता

(C) अदर्शनं लोपः

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

38. माहेश्वर सूत्रों का प्रकटन हुआ था –

(A) पाणिनि के द्वारा

(B) शिव के द्वारा

(C) विष्णु के द्वारा

(D) ब्रह्मा के द्वारा

39. वार्तिककार हैं –

(A) वररूचि

(B) पाणिनि

(C) पतञ्जलि

(D) महेश

40. तच्छिवः इसका संधि विच्छेद हैं –

(A) तत् + शिवः

(B) त + शिवः

(C) तच् + शिवः

(D) कोई नहीं

41. अनुनासिक वर्णों का उच्चारण होता हैं –

(A) कण्ठ से

(B) मुख से

(C) मुख और नासिका से

(D) कोई नहीं

42. रामश्चिनोति में सन्धि विधायक सूत्र है –

(A) शात्

(B) स्तोः श्चुनाश्चुः

(C) ष्टुनाष्टुः

(D) झलां जशोऽन्ते

43. 'उपेन्द्रः' में सन्धि है –

(A) दीर्घ

(B) गुण

(C) यण्

(D) अयादि

44. 'लृ' + आकृति' में संधि है –

(A) यण् सन्धि

(B) वृद्धि सन्धि

(C) गुण सन्धि

(D) कोई नहीं

45. पुना + रमते पद का संधि विच्छेद है –

(A) पुन + रमते

(B) पुनश् + रमते

(C) पुनु + रमते

(D) पुनर् + रमते

46. 'नयनम्' में संधि है –

(A) अयादि

(B) यण्

(C) गुण

(D) वृद्धि

47. 'रामष्टीकते' में संधि विधायक सूत्र है –

(A) न पदान्ताट्टोरनाम्

(B) स्तोः श्चुनाश्चुः

(C) ष्टुनाष्टुः

(D) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा

48. 'जगन्नाथः' में संधि विधायक सूत्र है –

(A) शात्

(B) स्तोः श्चुनाश्चु

(C) ष्टुनाष्टुः

(D) यरोऽनुनासिकेऽनुनासिको वा

49. परस्पर सवर्ण नहीं है –

(A) ए, ऐ

(B) ऋ, ऌ

(C) क्, ङ्

(D) च् झ्

50. 'अल्पप्राण' वाह्य प्रयत्न होता है –

(A) वर्ग के प्रथम, तृतीय, पञ्चम वर्ण तथा यण् प्रत्याहार के वर्णों का

(B) वर्ग के द्वितीय, चतुर्थ वर्णों का

(C) वर्ग के केवल पञ्चम वर्णों का

(D) वर्ग के केवल तृतीय वर्णों का

*****